NEWS CLIPPING: 24.04.2019

HINDUSTAN

फरीदाबाद स्थित जेसी बोस यूनिवर्सिटी में आइडियाथॉन-2019 का आयोजन के दौरान मंगलवार को विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट आइडिया की कुलपति प्रोफेसर दिनेश कुमार ने जानकारी ली। • हिन्दुस्तान

छात्रों को स्टार्टअप की जानकारी दी

आइडियाथॉन

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

वाईएमसीए

- स्टार्टअप को प्रोत्साहन की योजनाएं बताई
- कुलपति को पौधे और स्मृति चिन्ह भेंट किए गए

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में मंगलवार को 'आइडियाथॉन-2019' का आयोजन किया गया। इसमें दिल्ली आईआईटी, पंजाब विश्वविद्यालय, राजस्थान टेक्निकल विश्वविद्यालय, यूपीटीयू लखनऊ सहित कई विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर विद्यार्थियों को सौ से अधिक प्रकार के स्टार्टअप के विषय में बताया गया। इनमें से 60 इवेंट को भी दिखाया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से की गई। इस मौके पर वक्ताओं का कहना था कि नई खोज और विचारों की कोई कमी नहीं है, लेकिन समस्या यह है कि हमारी खोज एक ही दिशा में हैं। खोज नए विचारों पर आधारित होनी चाहिए, उसका भविष्य उज्जवल है। उदाहरण देते हुए बताया कि 3 डी प्रिंटिंग औद्योगिक क्रांति ला सकती है। डॉ. सुजाता शाही ने व्यावसायीकरण के महत्व और आवश्यकताओं के विषय में बताया।

वहीं, डॉ. राजीव गुलाटी ने स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करने के लिए हारट्रोन की ओर से किए जा रहे कार्यों के विषय में जानकारी दी। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (स्टार्टअप नीति) के दीपन साहू ने स्टार्ट-अप के संबंध में कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी।

कुलपति को पौधे भेंट किए: कार्यक्रम के अंत में कुलपति और वहां मौजूद अन्य अधिकारियों को पौधे और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। आइडियाथॉन 2019 कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की, जबकि मुख्यअतिथि के रूप में गुरुग्राम आईआईएलएम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुजाता शाही और ओएनजीसी फाउंडेशन के सीईओ किरण डीएम मौजूद रहे। इस मौके पर पेटीएम के उपाध्यक्ष सौरभ जैन मुख्यवक्ता के रूप में मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING: 24.04.2019

NAVBHARAT TIMES

कॉल व कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए की खोज, मिला पेटेंट

आज की तारीख में अगर किसी का मोबाइल न लगे, आवाज साफ न आए या बात बीच में ही बंद हो जाए, तो बहुत दिक्कत होती है। मोबाइल की कनेक्टिविटी बेहतर बनाने के लिए कई कंपनियां काम भी कर रहीं हैं। इसी दिशा में फरीदाबाद की जेसी बोस (वाईएमसीए) की कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की सहायक प्रफेसर डॉ. सपना गंभीर ने खूब रिसर्च कर समाधान खोज निकाला। उन्हें उनकी खोज के लिए पेटेंट भी मिला गया है। वह यूनिवर्सिटी की पहली महिला प्रफेसर हैं, जिन्हें किसी खोज के लिए पेटेंट मिला है।

10 साल तक की रिसर्च

सेक्टर-17, फरीदाबाद निवासी 40 वर्षीय डॉ. सपना गंभीर ने कॉल और कनेक्टिविटी सेवाओं में सुधार के लिए खोज की है, जिसे उन्होंने भारतीय बौद्धिक संपदा पेटेंट कार्यालय में 'मोबाइल नेटवर्क में मोबिलिटी एंकर पॉइंट्स का चयन' शीर्षक से पेटेंट करा लिया है। डॉ. सपना ने 2010 में कंप्यूटर साइंस में पीएचडी की। वह वाईएमसीए यूनिवर्सिटी की पहली महिला फैकेल्टी हैं, जिसने कंप्यूटर साइंस में बीटेक, एमटेक और पीएचडी किया है। वह बताती हैं कि 2009 में जब 3जी नेटवर्क था, तब 4जी पर रिसर्च किया। कॉल की कनेक्टिविटी और क्वॉलिटी को सुधारने के लिए काम शुरू किया।

ससुराल का मिला सपोर्ट

डॉ. सपना के अब तक 55 रिसर्च पेपर देश-दुनिया के जर्नल्स में पब्लिश हो चुके हैं। 3 पेटेंट आवेदन कर चुकी हैं। एक पेटेंट मिल चुका है। एक पेटेंट अमेरिका में और एक इंडियन पेटेंट ऑफिस में दर्ज है। डॉ. सपना अपनी सफलता का श्रेय ससुराल व पति को देती हैं। उनकी सास रिटायर्ड इकोनॉमिक्स लेक्चरर हैं। पति मोहित मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स एंड डिवेलपमेंट में इनोवेशन सेल के डायरेक्टर हैं। वह कहती हैं कि शादी के समय सिर्फ मैंने बीटेक किया था, ससुराल वालों के प्रोत्साहित करने पर आगे पढ़ाई की।

कनेक्टिविटी सुधारने के लिए तलाशे रास्ते

वह बताती हैं कि हर व्यक्ति अपने वर्कप्लेस जाने के लिए एक रूटीन फॉलो करता है। रोज उसी रास्ते से आता-जाता है। मैंने इसी रूटीन का एक डेटा तैयार किया। एक टावर से कितने दिन उसकी कनेक्टिविटी रहती है, इसका रेकॉर्ड तैयार किया। फिर जब वह एक टावर से दूसरे टावर के दायरे में पहुंचा, तो हमने उसे दूसरे टावर की कनेक्टिविटी दे दी। इस तरह बिना लाइन कटे, आवाज ब्रेक हुए या कनेक्टिविटी की असुविधा के कॉल कनेक्ट रही। इसी तरह 2007 में हमने 500 मीटर तक की रेंज का सर्वे किया। जिसमें जामिया मिलिया इस्लामिया, वाईएमसी के स्टूडेंट्स और कुछ लोग शामिल हुए। उसके बाद पता चला कि उन्हें कहां कनेक्टिविटी की समस्या आती है और कहां कॉल डिस्कनेक्ट हो जाती है। यह डेटा बहुत काम का है।

NEWS CLIPPING: 24.04.2019

NAVBHARAT TIMES

आइडियाथॉन में 60 नए स्टार्टअप पर हुई बात

■ एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

स्टूडेंट्स के विचारों को मंच देने के लिए व उन्हें स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जेसी बोस (वाईसीएमए) यूनिवर्सिटी में आइडियाथॉन ईवेंट का आयोजन किया गया। इसमें देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से 130 स्टार्टअप आइडिया आए थे। इनमें से 60 को इवेंट के दौरान प्रदर्शित किया गया। इस दौरान आईआईएलएम यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. सुजाता शाही मुख्य अतिथि के रुप में मौजूद थे। ओएनजीसी फाउंडेशन की सीईओ किरण विशिष्ठ अतिथि थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जेसी बोस यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने की।

दिनेश कुमार ने कहा कि हमारे आइडिया एक ही दिशा में हैं और हमें नई दिशाएं खोजनी चाहिएं। डॉ. सुजाता शाही ने आइडिया की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। प्रदर्शित किए गए आइडिया पर चर्चा करने के बाद डेढ़ लाख रुपये तक के पुरस्कार दिए जाएंगे। इस दौरान डॉ. राजीव गुलाटी, दीपन साहू, अनूप वाधवा आदि मौजूद थे।

NEWS CLIPPING: 24.04.2019

AMAR UJALA

आइडियाथॉन-2019 में छात्रों ने दिए स्टार्टअप आइडिया

फरीदाबाद। विद्यार्थियों के अभिनव विचारों को मंच प्रदान करने और उन्हें स्टार्टअप के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जेसी बोस विवि में आइडियाथॉन-2019 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साठ स्टार्टअप आइडिया प्रदर्शित किए गए। ये प्रविष्टियां आईआईटी दिल्ली, डीटीयू, पंजाब यूनिवर्सिटी, राजस्थान टेक्निकल यूनिवर्सिटी, यूपीटीयू, लखनऊ सहित देश के प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों से प्राप्त हुईं। इवेंट की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना से हुई। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस अवसर पर आईआईएलएम यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम की कुलपति डॉ. सुजाता शाही मुख्य अतिथि व ओएनजीसी फाउंडेशन के सीईओ किरण डीएम विशिष्ट अतिथि रहे। सत्र में पेटीएम के उपाध्यक्ष सौरभ जैन मुख्य वक्ता रहे। सत्र को हारट्रोन मल्टी स्किल डेवलेपमेंट सेंटर, गुरुग्राम के अध्यक्ष डॉ. राजीव गुलाटी, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् की स्टार्टअप नीति कार्यान्वयन के कार्यकारी सलाहकार दीपन साहू व ऑटोमेशन इंडस्ट्री एसोसिएशन के निदेशक अनूप वाधवा ने भी संबोधित किया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने स्टार्टअप को डिजाइन करने के लिए अंतः विषय दृष्टिकोण अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इनोवेटिव आइडिया की कोई कमी नहीं है, लेकिन, समस्या यह है कि हमारे आइडिया एक ही दिशा में हैं। विद्यार्थियों को एक टीम के रूप में काम करना चाहिए। ब्यूरो

जेसी बोस विवि में कार्यक्रम